विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों, हम सभी जानते है कि आज पूरा देश जल से जुड़ी अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि, मनुष्य का सुख-चैन लूट रही हैं। एक क्षेत्र में जहां पानी के लिए घोर संघर्ष करना पड़ रहा है वहीं दूसरे क्षेत्र में अत्यधिक बारिश, बादल फटने और कतिपय अन्य कारणों से बाढ़ का संकट पैदा हो गया है। इन विषमताओं के बीच हमें जो जल पीने के लिए मिलता है उसकी गुणवत्ता का भी कोई भरोसा नहीं है।

प्रिय पाठकों, आपको विश्वास नहीं होगा कि जबसे हमारे संस्थान ने हिन्दी में अपनी इस तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" को प्रकाशित करने का फैसला किया है, और सितम्बर-2011, जुलाई-2012 व जनवरी 2013 में इसके तीन अंक प्रकाशित किए हैं, तभी से हमारे पास बहुसंख्य प्रबुद्ध पाठकों के प्रशंसा पत्र, फोन तथा ईमेल आ चुके हैं और कई पाठकों ने तो अपनी स्थानीय समस्याओं के बारे में लिखकर उनका समाधान जानने के लिए अनुरोध भी किया है। इन्हीं समस्याओं के बारे में सुनकर हमें पूरे देश में दिनों-दिन बढ़ रहे जल संकट के संबंध में जानकारी मिलती है। हमारा ध्यान इन समस्याओं पर केन्द्रित है तथा हमारे वैज्ञानिक पूरी एकाग्रता और समर्पण भाव से इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। पाठकों की अत्यधिक प्रशंसनीय प्रतिक्रियाएं मिलने से जो हमारा उत्साहवर्धन हुआ है उसी से प्रेरित होकर राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान ने तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" को नियमित रूप से प्रकाशित करने का फैसला किया है। जिसके माध्यम से सभी क्षेत्रों से जल एवं जल से संबंधित सुसंगत सामग्री का चयन कर एक आम आदमी की जानकारी बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

इस पत्रिका के अन्तर्गत तकनीकी लेखों के अतिरिक्त लघु लेख, कविता, प्रश्नोत्तरी, शिक्षा एवं रोजगार जैसे सन्दर्भों को भी समुचित स्थान दिया जा रहा है।

संस्थान का अपने सामान्य कामकाज के साथ-साथ जल जैसे महत्वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को हिन्दी भाषा के माध्यम से एक पत्रिका के जरिए जन मानस तक पहुंचाने का यह एक विशिष्ट प्रयास है। किसी भी पत्रिका की श्रीवृद्धि एवं सफलता में सुधी पाठकों की प्रतिक्रियाएं एवं सुझावों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अतः समस्त पाठकों से उनकी प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों की अपेक्षा है ताकि पत्रिका को और भी आकर्षक एवं पठनीय बनाने में सहायता मिल सके।

हम आपसे विशेष रूप से आग्रह करते हैं कि आप सूचना प्रौद्योगिकी, नेनो टेक्नोलॉजी, जैवप्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ भौतिक एवं रसायन विज्ञान में भी जल के उपयोग सम्बन्धित उपलब्धियों को केन्द्र बिन्दु बनाते हुए अपने लेख भेजने का कष्ट करें।

हम उन सभी लेखकों के आभारी होंगे जो अपने लेख यूनिकोड प्रणाली या पेज मेकर (6.5 या 7.0) में कृतिदेव-10 का प्रयोग करते हुए प्रकाशन हेतु हमें भेजने का कष्ट करेंगे। लेख अगर तथ्यों पर आधारित हो और रंगीन चित्रों से सुसज्जित हो तो अधिक लोकप्रिय हो सकेगा।

हम जानते हैं कि इस पत्रिका को और भी बेहतर तथा आकर्षक बनाना सिर्फ आप ही पर निर्भर करता है। हम विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सक, इंजीनियर, स्कूल कॉलेजों के अनुभवी अध्यापक और विश्वविद्यालयों के कर्मठ प्रोफेसर तथा अनुसंधानकर्त्ताओं से निवेदन करते हैं कि आप इस पत्रिका से किसी न किसी रूप में अवश्य जुड़ें और समय-समय पर प्रकाशन हेतु उत्कृष्ट एवं जनोपयोगी सामग्री रंगीन एवं आकर्षक चित्रों सहित हमें भेजते रहें ताकि उसे और अधिक आकर्षक रूप में ढ़ालते हुए हम शीघ्रातिशीघ्र प्रकाशित कर सकें।

हमारा यह भी अनुरोध है कि किसी भी रचना को लिखने का कार्य प्रारंभ करने से पहले हमसे सम्पर्क अवश्य साध लें क्योंकि कभी-कभी एक ही विषय पर लगभग एक जैसी सामग्री एक से अधिक लेखकों द्वारा भेज दी जाती है। ऐसी स्थिति में सभी लेखों को प्रकाशित करना मुश्किल हो जाता है। अतः टेलीफोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क साधकर वार्तालाप के उपरान्त ही रचनाओं को भेजना इस समस्या का समाधान हो सकता है। राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा पत्रिका में छपे लेखों के प्रबुद्ध लेखकों को निर्धारित दरों से भुगतान करने का भी प्रावधान है।

लेख भेजते समय अपना संपर्क सूत्र, ईमेल एड्रस, फोन नं. एवं स्वयं का पासपोर्ट साइज फोटोग्रॉफ अवश्य भेंजे। कृपया कविता/स्तम्भ भेजते समय यह भी सुनिश्चित कर लें कि इसकी विषय-वस्तु कम से कम दो पेज की अवश्य हो अन्यथा दो-तीन कविताओं को मिलाकर भी भेजा जा सकता है तथा साथ ही अपने लेख से संबंधित कम से कम 10 फोटोग्रॉफ (हाई रिजोल्यूशन) एवं उसके अनुशीर्षक (कैप्शन) सहित अवश्य भेंजे।

सभी लेखकों से विनम्र अनुरोध है कि वह अपने बैंक एकाउण्ट की जानकारी निम्नानुसार देने का कष्ट करें ताकि भुगतान राशि को सीधे लेखक के एकाउण्ट में भेजा जा सके।

बैंक एकाउण्ट विवरण :
बैंक का नाम एवं शाखा -
खाता संख्या -
IFSC- कोड -

रमा मेहता
संपादक, 'जल चेतना' एवं
वैज्ञानिक तथा राजभाषा प्रभारी,
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रुड़की-247667, जिला-हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
E-mail : rama@nih.ernet.in]
दूरभाष : 01332-249228